सोमवार
11 अप्रैल 2022

पृष्ठ 4

राजा डीलक्स में प्रभास के साथ नजर आ सकती हैं अनुष्का

पृष्ठ 5

अचानक होने वाले दांत दर्द में आराम दिलाएंगे घरेलू नुस्खें

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 72
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

भय से ही दुःख आते हैं, भय से ही मृत्यु होती है और भय से ही बुराइयाँ उत्पन्न होती हैं।
— विवेकानंद

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

साधु-संतों ने की मुख्यमंत्री धामी से मांग

चारधाम यात्रा में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर लगे बैन

विशेष संवाददाता

देहरादून। भाजपा की फायर ब्रांड नेता साध्वी प्राची के बाद अब अनेक साधु-संतों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से चार-धाम यात्रा में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर पाबंदी लगाने की मांग की है। जिस पर मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया है कि राज्य व राष्ट्रीय संस्कृति तथा साधु-संतों की भावनाओं के अनुरूप निर्णय लिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि साध्वी प्राची ने इस मुद्दे को अभी बीते दिनों जोर-शोर से उठाया गया था उनका कहना था कि जब हिंदू हज पर नहीं जाते हैं या अन्य धर्मों के तीर्थों पर नहीं जाते हैं तो गैर हिंदुओं के हिंदू धर्मस्थलों पर जाने का क्या औचित्य है। उन्होंने मुख्यमंत्री धामी से आग्रह किया था कि अपनी धार्मिक आस्था को अक्षुण बनाए रखने के लिए वह चारधाम यात्रा में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाए। उनकी इस मांग के बाद अब चारधाम से जुड़े पंडा पुजारी और हरिद्वार के अनेक साधु-संतों

❑संतों की भावनाओं व राज्य की संस्कृति के अनुरुप लेंगे फैसलाः सीएम

द्वारा भी मुख्यमंत्री धामी से गैर हिंदुओं के चारधाम यात्रा में प्रवेश पर बैन लगाने की मांग जोर-शोर से की जा रही है।

साधु संतों का कहना है कि गैर हिंदुओं की चारधाम यात्रा में उपस्थिति से श्रद्धालुओं को कई बार असहज होना पड़ता है। चारधाम यात्रा मार्गों पर श्रद्धालुओं को सेवाएं देने वालों का उद्देश्य पैसा कमाना होता है न कि श्रद्धालुओं की सेवा करना या उनकी आस्था का सम्मान करना। उनका कहना है कि यात्रा मार्गों पर सेवा करने वाले यह लोग खानपान और सफाई व्यवस्था के लिहाज से भी ठीक नहीं है। लेकिन तमाम दुकानों से लेकर घोड़ा खच्चर वालों तक टोपी वालों की भरमार रहती है जिनका यात्रियों के साथ व्यवहार भी अच्छा नहीं रहता है।

साधु-संतों की इस मांग के बारे में जब पत्रकारों द्वारा सीएम धामी से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह जो फैसला लेंगे राज्य हित और राज्य की संस्कृति को ध्यान में रखकर ही लेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि हम साधु संतों की भावनाओं के अनुरूप ही फैसला करेंगे।

उन्होंने कहा कि वह जल्द ही राज्य में यूनिफॉर्म सिविल कोड लाने की बात कर चुके हैं। इसके लिए कमेटी गठित की जा रही है उसकी रिपोर्ट आने पर इस पर अमल की कार्यवाही जल्द शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि देवभूमि की संस्कृति और आस्था पद्धति को अक्षुण रखा जाएगा।

विष्णु गोपाल व देवेंद्र यादव के आरोपों पर भड़के प्रीतम

आरोप सत्य साबित हुए तो छोड़ दूंगा राजनीति

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। विधानसभा चुनाव में लगातार दूसरी बड़ी हार के बाद कांग्रेसी नेताओं के बीच जिस तरह का घमासान जारी है वह अब चरम सीमा पर पहुंच चुका है। मीडिया के सामने आए चकराता विधायक प्रीतम सिंह ने आज केंद्रीय नेताओं को निशाने पर लेते हुए कहा कि वह उन्हें लेकर जिस तरह के बयान दे रहे हैं उनकी हाईकमान जांच कराएं। अगर आरोप सत्य साबित हुए तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस संगठन महामंत्री विष्णु गोपाल और प्रदेश प्रभारी देवेंद्र यादव द्वारा बयान दिया गया था कि प्रीतम सिंह गुट के असहयोग के कारण कांग्रेस को कई सीटों पर हार का सामना करना पड़ा है। अपने ऊपर लगे इस आरोप पर आज प्रीतम सिंह ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि जिन लोगों की गुटबाजी के कारण कांग्रेस की हार हुई उनसे कोई क्यों नहीं पूछ रहा है। उन्होंने अपने ऊपर लगे आरोपों को उनकी छवि खराब करने का षड्यंत्र

❑हाईकमान से की जांच कराने की मांग
❑मेरी छवि खराब करने की कोशिश

बताते हुए कहा कि अगर मैंने कभी पार्टी या अधिकृत किसी प्रत्याशी के खिलाफ कभी कोई बात कही हो या कुछ कहा हो तो आरोप लगाने वाले उसका सबूत पेश करें। उन्होंने कहा कि अगर मेरे ऊपर लगे आरोप सत्य साबित होते हैं तो वह राजनीति छोड़ देंगे। उन्होंने इन आरोपों की हाईकमान से जांच कराने की मांग की है।

बीते कल करण माहरा को प्रदेश अध्यक्ष और यशपाल आर्य को नेता

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

झारखंड में पहाड़ी पर आपस में टकराई रोपवे ट्रॉलियां, 2 की मौत

देवघर। झारखंड के देवघर जिले में बाबा बैद्यनाथ मंदिर के पास त्रिकूट पहाड़ियों पर रविवार शाम को ५.०० बजे त्रिकूट रोपवे की कई ट्रॉलियां आपस में टकरा गईं। जिसकी वजह से लोग वहीं फंस गए। घटना में अब तक 2 लोगों की मौत की खबर है। अब भी कई लोग रोपवे पर फंसे हुए जिन्हें सुरक्षित

निकालने का प्रयास जारी है। भारतीय वायु सेना के अधिकारियों ने बताया कि दो एमआई-१७ होलीकॉप्टर को भी बचाव अभियान में लगाया गया है। मौके पर पहुंचे जिले के डीएम का कहना है कि १८ ट्रालियों में ४८ लोग फंसे थे, सोमवार दोपहर में १२ लोगों का रेस्क्यू कर लिया गया। घायलों को अस्पताल में एडमिट कराया गया है। प्रशासन का कहना है कि सेना के जवान लगातार कोशिश कर रहे हैं और हम सभी लोगों को बचा लेंगे, लेकिन कोई भी किसी तरह की अफवाह न फैलाए। ट्रालियों में फंसे लोग रविवार शाम ५ बजे से १००० हजार फीट की ऊंचाई पर फंसे हैं।

पिछले 24 घंटे में दर्ज हुए 861 नए कोरोना के केस, एक्टिव केस की संख्या घटकर 11,058 हुई

नई दिल्ली । भारत में कोरोना वायरस के नए मामलों में मामूली उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। पिछले २४ घंटे में दर्ज हुए ८६१ नए मरीजों के बाद देश में कोरोना वायरस से अब तक संक्रमित हो चुके लोगों की संख्या बढ़कर ४,३०,३६,१३२ हो गई। वहीं, एक्टिव केस की संख्या घटकर ११,०५८ रह गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से मौत के छह और मामले सामने आने के बाद मृतक संख्या बढ़कर ५,२१,६६१ हो गई है। देश में कोविड-१६ के एक्टिव केस की संख्या घटकर ११,०५८

रह गई है, जो कुल मामलों का ०.०३ प्रतिशत है। पिछले २४ घंटे में एक्टिव केस की संख्या में ७४ की कमी दर्ज की गई।

मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर ६८.७६ प्रतिशत है। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त २०२० को संक्रमितों की संख्या २० लाख, २३ अगस्त २०२० को ३० लाख और पांच सितंबर २०२० को ४० लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले १६ सितंबर २०२० को ५० लाख, २८ सितंबर २०२० को ६० लाख, ११ अक्टूबर २०२० को ७० लाख, २६ अक्टूबर २०२० को ८० लाख और २० नवंबर को ९० लाख के पार चले गए थे।

देश में १६ दिसंबर २०२० को ये मामले एक करोड़ के पार हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और २३ जून २०२१ को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल २६ जनवरी को मामले चार करोड़ के पार पहुंच गए थे।

दून वैली मेल

संपादकीय

अंतर्कलह से बाज आएं कांग्रेसी

लंबे इंतजार के बाद कांग्रेस ने नेता विपक्ष तथा उपनेता विपक्ष और नए प्रदेश अध्यक्ष के नामों की एक साथ घोषणा कर दी। कांग्रेस हाईकमान द्वारा यशपाल आर्य को नेता विपक्ष और युवा चेहरा भुवनचंद कापड़ी को उपनेता बनाया गया है वही प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी रानीखेत से चुनाव हारने वाले दो बार के अपने विधायक करण माहरा को सौंपी गई है। जिन नामों की घोषणा हुई है वह भले ही किसी को भी कुछ अप्रत्याशित लग रहे हो लेकिन हाईकमान किसी भी नेता का नाम इन पदों पर तय करते उसे लेकर कुछ न कुछ कहा जाना सुनिश्चित था। क्योंकि कांग्रेस के अंदर जिस तरह की आंतरिक गुटबाजी हावी है उसे देखते हुए सर्वसम्मति से कुछ भी होना संभव नहीं है। जिन्हे विरोध करना है या नुक्ताचीनी करनी है उन्हें रोका नहीं जा सकता है। अब इस फैसले पर भी यह कहकर सवाल उठाए जा रहे हैं कि इसमें क्षेत्रीय संतुलन का ध्यान नहीं रखा गया है। कुमाऊं मंडल को ही सभी तीनों महत्वपूर्ण पद देकर गढ़वाल की उपेक्षा की गई है। कुछ लोग जो यह सोचे बैठे थे कि नेता विपक्ष तो प्रीतम सिंह को ही बनाया जाएगा वह इस चयन को प्रीतम गुट को झटका बता रहे हैं। वहीं कुछ लोग इसे हरीश रावत और प्रीतम दोनों ही गुटों को दरकिनार कर दिए जाने के रूप में देख रहे हैं। लेकिन एक बात इस फैसले से साफ जरूर हो गई है कि कांग्रेस हाईकमान को तानाशाही किसी भी नेता की स्वीकार्य नहीं है, एक अन्य महत्वपूर्ण बात यह है कि पार्टी अब युवा नेतृत्व को आगे आने का मौका देने की रणनीति पर आगे बढ़ना चाहती है। यशपाल आर्य भले ही कांग्रेस छोड़कर भाजपा में चले गए थे लेकिन कांग्रेसी उन्हें भावी सीएम (दलित सीएम) की बात कहकर वापस लाई थी वह एक दलित चेहरे के रूप में बड़े नेता हैं अगर उन्हें नेता विपक्ष बनाया गया है तो यह सम्मान उन्हें मिलना ही चाहिए था। वही भुवनचंद कापड़ी जिन्होंने धामी जैसे दिग्गज को मात दी उन्हें भी अगर अब आगे बढ़ने का मौका नहीं देंगे तो किसे देंगे? जब भाजपा अपने हारे हुए प्रत्याशी को मुख्यमंत्री बना सकती है तो करण माहरा जो एक विश्वसनीय और युवा चेहरा है उन्हें प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठा देती है तो इसमें कांग्रेस के बड़े नेताओं को परेशानी क्यों होनी चाहिए, यह समझ से परे है। हाईकमान का यह फैसला एक दूरगामी और दूरदर्शिता पूर्ण फैसला है। जो नेता स्वयं को इससे उपेक्षित महसूस कर रहे हैं अब पार्टी को चाहिए कि वह उन्हें केंद्रीय राजनीति में इससे भी बड़ा पद देकर उन्हें सम्मानित करें तथा इन बड़े नेताओं को चाहिए कि वह हाय-हल्ला के बजाय धैर्य से हाईकमान के अगले फैसले का इंतजार करें लेकिन कांग्रेसी नेताओं की मुश्किल यही है कि वह तत्काल क्रिया-प्रतिक्रिया देकर अपनी और पार्टी की मुसीबतें बढ़ाने से बाज नहीं आते हैं। जिसका परिणाम वह खुद भी भोग रहे हैं तथा पार्टी तो भोग ही रही है।

माइग्रेशन गांवों की समस्याओं के समाधन के लिए हुई बैठक

हमारे संवाददाता

मुनस्यारी। उच्च हिमालयी क्षेत्र में बसे मल्ला जोहार तथा रालम के 13 माइग्रेशन गांवो की समस्याओं के समाधान को लेकर आज पंचायत प्रतिनिधियों तथा अधिकारियों के मध्य बैठक हुई। बैठक में माइग्रेशन शुरू होने से पहले मल्ला जोहार तथा रालम के लिए सुविधाओं को मुहैया कराने के लिए का योजना बनाई गई। पंचायत प्रतिनिधियों ने विभाग से अपेक्षा की है कि वह माइग्रेशन गांव के लिए समय से सुविधाओं को उपलब्ध कराने के लिए आज से ही योजना को धरातल पर उतारने का प्रयास करेगें।

लोक निर्माण विभाग के सभागार में आयोजित बैठक जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया की अध्यक्षता में की गई। बैठक में सहायक खाद्य निरीक्षक मोहित कुमार ने बताया कि मल्ला जोहार के लिए 2 माह का राशन जिसमें गेहूं 35 किलो तथा चावल 50 किलो भेज दिया गया है। बैठक में तय किया गया कि मल्ला जोहार कथा रालम के उपभोक्ताओं के राशन कार्ड ऑनलाइन करने के लिए 18 तथा 19 अप्रैल को दरकोट एवं शांतिकुंज जैती में शिविर लगाया जाएगा। गल्ला गोदाम बुर्फू से मिलम तक राशन के ढुलान के नाम किसी भी कीमत में उपभोक्ताओं से वसुली नहीं की जाएगी। साथ ही खाद्य एवं आपूर्ति विभाग को कहा गया है कि वह बीते वर्ष की तरह राशन की किल्लत न आने दे।

बैठक में लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता मोहित कुमार ने बताया कि मल्ला जोहार पैदल मार्ग खोलने के लिए अतिरिक्त मजदूर लगाए गए है। बैठक में यह तय किया गया कि लोनिवि तथा सीमा सड़क संगठन आपस में सामंजस्य स्थापित करें। पैदल मार्ग को एक सप्ताह के भीतर सुचारू करने के लिए प्रयास करे। बैठक में तय किया गया है कि लोक निर्माण विभाग पातो से रालम, बुर्फू से खिलांच तथा मापा के साथ ही लास्पा तक मोटर मार्ग बनाए जाने के प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजना सुनिश्चित करें।

सीमा सड़क संगठन संगठन से पांछू उडयार से बबाली धार तक चट्टान कटिंग तय सीमा के भीतर किए जाने की मांग की गई। इसके लिए सीमा सड़क संगठन के द्वितीय कमान अधिकारी तथा दो ग्राम प्रधानों की कमेटी बनाई गई है, जो स्थलीय निरीक्षण कर कार्य पर निगरानी रखेगी। मीलम के निकट ग्वांखा गधेरे में तत्काल अस्थाई पुल लगाने को कहा गया। धापा - मीलम मोटर मार्ग में ग्वाड़ लटौन के निकट चल रहे निर्माण कार्य के दौरान सुबह 10 से 11 तथा सायं 3 से बजे के मध्य पैदल मार्ग को दुरुस्त करते हुए खोले जाने के लिए कहा गया ताकि लोगों का आवागमन सुचारू रह सके। वन विभाग की समीक्षा में कहा गया कि मल्ला जोहार में बिल्ल प्रजाति (लोकल नाम) के पेड़ों का दोहन किया जा रहा है, जिस पर रोक लगाने की मांग उठी। बैठक में तय किया गया कि बुर्फू तथा रालम में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा एक स्थाई फार्मासिस्ट की नियुक्ति की जाए। इसी के साथ ही ग्राम पंचायत रालम, मिलम, लास्पा में आशा कार्यकर्ताओं की नियुक्ति का प्रस्ताव स्वास्थ्य विभाग को सौंपा गया। माइग्रेशन में जाने वाले 3 ग्राम पंचायतों की महिलाओं के महिला स्वयं सहायता समूह का निर्माण भी किया जाएगा। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि माइग्रेशन गांवों की समस्याओं के समाधान हेतु आज जो कार्ययोजना का रोस्टर बनाया गया है, उसका वे साप्ताहिक समीक्षा करते रहेंगे।

पार्किंग शुल्क लेने पर टैंपो चालकों ने किया हंगामा

संवाददाता

देहरादून। राम झूला में पार्किंग शुल्क लेने पर टैंपो चालकों ने हंगामा कर दिया जिससे वहां माहौल तनावपूर्ण हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंच मामला शांत कराया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुनिकीरेती क्षेत्र अंतर्गत राम झूला पार्किंग में टेंपो संचालकों ने हंगामा कर दिया है। आरोप है कि नया ठेका होने के बाद ठेकेदार दोगुना से अधिक पार्किंग शुल्क देने की मांग कर रहा है। पार्किंग शुल्क कम नहीं होने तक टेंपो चालकों ने हड़ताल कर दी है। मौके पर धरना प्रदर्शन करने के साथ पार्किंग में खड़े वाहनों को भी बाहर निकलने से रोक दिया है। हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस ने टेंपो चालकों से ठेकेदार और नगर पालिका के साथ बैठकर वार्ता करने की सलाह दी। पुलिस की सलाह पर अभी चर्चा हो ही रही थी कि टेंपो चालकों के दो पक्षों में देखते ही देखते आपसी विवाद हो गया और लात घूंसे चलते हुए हाथापाई होने लगी। किसी तरह पुलिस ने मामले को शांत कराया है। लेकिन टेंपो चालक अभी भी अपनी मांग पर अड़े हुए हैं। पुलिस अब टेंपो संचालकों की समस्या का समाधान करने के लिए नगरपालिका और ठेकेदार को टेबल पर बैठा कर मामले को सुलझाने की कोशिश में लग गई। टेंपो यूनियन के अध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि पिछले 40 सालों से राम झूला पार्किंग से टेंपो यूनियन संचालित हो रही है। आज तक कभी भी पार्किंग शुल्क को लेकर कोई मामला नहीं हुआ। आज पार्किंग शुल्क के रूप में एक टेंपो से 47 रुपए की पर्ची काटनी शुरू की गई। जो अभी तक लिए जा रहे पार्किंग शुल्क से 2 गुना से भी ज्यादा है। जिसे टेंपो यूनियन बर्दाश्त करने के मूड में बिल्कुल नहीं है। सामाजिक कार्यकर्ता आशुतोष शर्मा ने बताया कि कोरोना काल के बाद अब पर्यटकों का मुनी की रेती क्षेत्र में पहुंचना शुरू हुआ है। ऐसे में टेंपो संचालकों को उम्मीद है कि वह भी दो साल तक हुए नुकसान की कुछ भरपाई करेंगे। लेकिन पार्किंग शुल्क दोगुने से ज्यादा लेना टेंपो संचालकों से न्याय संगत नहीं है। वही ठेकेदार वैभव थपलियाल ने बताया कि उन्होंने पूरी पार्किंग का ठेका नगर पालिका मुनि की रेती से लिया है। 30 प्रतिशत जगह टेंपो संचालकों ने घेरी हुई है। उसमें भी पार्किंग शुल्क न देने को लेकर टेंपो संचालक हंगामा कर रहे हैं। यह सरासर टेंपो संचालकों की गुंडागर्दी है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रितेश शाह ने बताया कि फिलहाल दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर शांत करा दिया है। नगरपालिका ने मामले को सुलझाने के लिए बैठक चल रही है।

धामी ने की इंजीनियरों से राज्य के विकास में सहयोग की अपील

विशेष संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि राज्य के विकास में सभी का सहयोग अपेक्षित है। उत्तराखंड राज्य के गठन से लेकर कोरोना काल की तमाम परिस्थिति के बीच उत्तराखंड राज्य ने जो विकास यात्रा की है उसमें सभी का सहयोग रहा है। उन्होंने कहा कि अब चारधाम यात्रा शुरू हो रही है उसको सफल बनाने में आप सभी का सहयोग जरूरी है।

❑मांगों पर विचार करने का दिया भरोसा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज यह बात उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के 11वें महाधिवेशन को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि उनकी जो भी मांग है उन पर सहानुभूति पूर्वक विचार किया जाएगा। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि बड़ों का मार्गदर्शन जीवन में बहुत जरूरी होता है। व्यक्ति पद से बड़ा नहीं होता है आज वह भले ही राज्य के प्रमुख सेवक के रूप में काम करने की जिम्मेदारी निभा रहे हो लेकिन उनसे उम्र में बड़े लोगों के पास उनसे अधिक अनुभव होगा। उन्होंने कहा कि जब वह विधायक बने थे तब भी अपने क्षेत्र के बड़े बुजुर्गों से पूछा करते थे कि क्या होना चाहिए और मुझे कैसे काम करना चाहिए। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद लोगों से कहा कि आपके पास मुझसे अधिक अनुभव है उसका राज्य को लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने इंजीनियरों से कहा कि चार धाम यात्रा के सफल संचालन में उनकी सेवाओं की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि आज राज्य 22वें वर्ष का युवा राज्य बन चुका है। उन्होंने कहा कि जब यह राज्य 25 साल का युवा राज्य बने तब तक ऐसा राज्य बन जाए जो राष्ट्र का सर्वोत्तम राज्य हो। उन्होंने कहा कि यह तभी संभव है जब सब मिलकर इसके लिए काम करेंगे। इस अवसर पर महासंघ की ओर से अपनी मांगों से संबद्ध एक ज्ञापन भी सौंपा गया। जिस पर उन्होंने कहा कि वह सभी मांगों पर विचार करेंगे। कार्यक्रम में उनके साथ धर्मपुर विधायक विनोद चमोली भी मौजूद थे।

आ रिख किकिरा कृणु पणीनां हृदया कवे।
अथेमस्मभ्यं रन्धय।।

(ऋग्वेद ६-५३-७)

हे विद्वानों ! व्यापारियों के आय-व्यय के दस्तावेज की भांति लेखा-जोखा रखो। दुष्टों को दंड दो और जो अच्छे मनुष्य हैं उन्हें खुशी प्रदान करो।

O scholars ! Keep an account like a balance sheet of businessmen. Punish the wicked and give happiness to those who are good.
(Rig Veda 6-53-7)

दो लाख लेकर फरार हुए दो सगे भाई गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। मुनीम गिरी का काम करते हुए दो लाख की धोखाधड़ी कर फरार हुए दो भाईयों को पुलिस ने कल देर रात गिरफ्तार कर लिया है। विवेचना में एक और नाम प्रकाश में आया है जिसकी तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार बीती 7 मार्च को मनोज कुमार पुत्र स्वर्गीय महेंद्र कुमार निवासी पुरानी सब्जी मंडी द्वारा कोतवाली ज्वालापुर में तहरीर देकर बताया गया

कि उनके साथ दो व्यक्ति मोहित गुप्ता पुत्र रमेश चंद व राहुल गुप्ता पुत्र रमेश चंद निवासी शेख सराय आलम खुर्जा बुलंदशहर जो मुनीम का काम करते थे मेरे साथ धोखाधड़ी करते हुए दो लाख रूपये लेकर भाग गये है। मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गयी। आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस टीम ने कल देर रात एक सूचना के बाद राजेश कुमार उर्फ राहुल, सोनू उर्फ मोहित पुत्र रमेश चंद्र को पुराना रामपुर तिराहा मुजफ्फरनगर से गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में उन्होने बताया कि खुर्जा बुलंदशहर में उनकी दुकान तथा मकान को अलग-अलग बैंकों द्वारा कुर्क कर लिया गया था। जिसके बाद वह सुभाषनगर में रहने लगे तथा मनोज कुमार के यहां मुनीम गिरी का काम करने लगे। बताया कि खर्चा अधिक होने के कारण उन्होंने आढ़तियों के पैसे में हेरफेर कर अपने खर्चे में प्रयोग करने लगे तथा हिसाब मांगे जाने पर हिसाब में अत्यधिक गड़बड़ी होने के कारण वह लोग यहां से किराए का मकान छोड़कर परिवार सहित भाग गए इनका एक अन्य भाई सोनू उर्फ मोहन भी मुकेश शर्मा के यहां मुनीम गिरी का काम करता था उसने भी वहां से काफी पैसा मुकेश शर्मा का लेकर इन्हीं के साथ भाग गया उसका नाम भी मुकदमे में प्रकाश में आया है मोहन फरार है जिसकी तलाश की जा रही है।

शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला कोतवाली पुलिस ने लच्छीवाला रेलवे पुल के नीचे एक एक्टिवा सवार को रूकने का इशारा किया तो वह एक्टिवा को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर पकड लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने एक्टिवा से दो पेटी शराब की बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम टीकम सिंह उर्फ मोनू पुत्र बाबू सिंह निवासी आदेश कालोनी नेहरू ग्राम रायपुर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

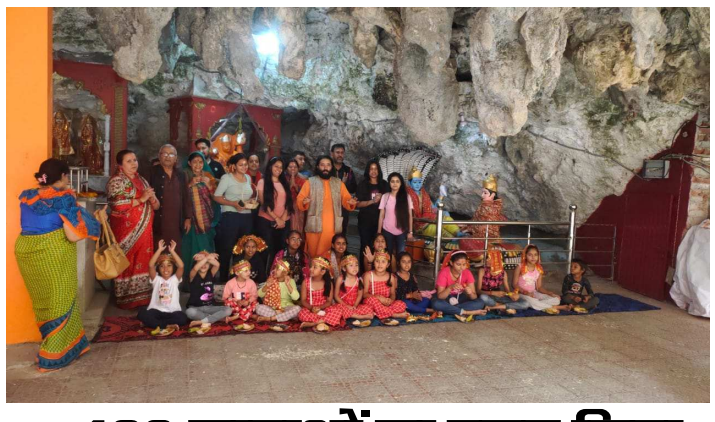

108 कन्याओं का पूजन किया

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव देहरादून में आयोजित विशेष चैत्र नवरात्रि पूजा अनुष्ठान में दिन भर १०८ कन्याओं का पूजन किया गया प्रतीक रुप में ९ कन्याओं के पैर धोकर उनका मंगल तिलक किया गया, चुन्नी पहनाकर हलुवा, पूड़ी, चना, फल मिष्ठान का भोग लगाया गया और दक्षिणा भेंट की गई, मंदिर के संस्थापक आध्यात्मिक गुरु आचार्य बिपिन जोशी ने लड़कियों को भी लड़कों की तरह अवसर देने की अपील की, प्रातः विशेष पूजा अर्चना के साथ दुर्गा सप्तशती पाठ के साथ सायं में विशेष श्रृंगार और आरती की गई, कल पूर्णाहुति के साथ भंडारे का भू आयोजन होगा आज के कार्यक्रम में डा० मथुरा दत्त जोशी, भागवती जोशी, गीता जोशी, एडवोकेट तनुज जोशी, हर्षपति रयाल, दीपेंद्र नौटियाल, गणेश विजलवान, आचार्य माधव लेखक आदि का विशेष सहयोग रहा।

40वां नेत्र जाँच शिविर का समापन

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। दून सिख वेलफेयर सोसायटी के ४०वें आँख जाँच शिविर का समापन समारोह गुरु नानक निवास सुभाष रोड पर उत्साह पूर्व मनाया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अडिशनल मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, विशिष्ट अतिथि डॉ एस फारुख एवं सरदार गुरबख्श सिंह राजन थे। संस्थापक अध्यक्ष सरदार कृपाल सिंह चावला द्वारा संस्था की शपथ एवं दो मिनिट विश्व शान्ति के लिये मौन के संस्था के अध्यक्ष श्री वी पी गुप्ता द्वारा स्वागत अभिवादन किया एवँ संस्था के सेवा कार्यों से अवगत कराया। जाँच शिविर के संयोजक सरदार इंदरजीत सिंह ने अवगत कराया कि शिविर में ३०३ मरीजों की जाँच के साथ ४८ मरीजों के मोतियाबिंद के ऑपरेशन हुए। सभी लाभार्थियों का दवाये , चश्मे निःशुल्क दिये गये।

मुख्य अतिथि अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी जी ने अपने अभिभाषण में सोसाइटी की ४० वर्षों से समाज सेवा के साथ नेत्र जाँच शिविर के साथ बिना ऊँच नीच, जाति के मतभेद से दूर मोतियाबिंद ऑपरेशन की प्रशंसा और बधाई देते हुए इसे उत्तराखंड की एक उपलब्धि बताया।

डॉ एस फारुख ने भी सोसायटी के सेवा कार्य के साथ आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को ऑपरेशन के द्वारा रोशनी देना खुदा की सेवा बताया और सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष श्री कृ पाल सिंह चावला के सभी कार्यकर्ताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

कृपाल सिंह चावला ने सोसायटी के जन्म की कहानी बताकर लोगों के मन में सेवा की प्रेरणा जाग्रति की । डॉ एस डी विजय ने रोगियों को ऑपरेशन के बाद दवाई एवं सावधनी के विषय मे बताया। गुरु सिंह सभा के महासचिव सरदार गुलजार सिंह जी ने कहा कि सोसाइटी सच्चाई के मार्ग पर चल रही हैं अतः बधाई की पात्र है।

सरदार के एस ओबेरॉय ने सभी अतिथियों एवँ सहयोगियों का धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र गान के साथ में सचिव जे एस मदान, कोषाध्यक्ष त्रिलोचन सिंह, के के अरोड़ा, अर्जुन दास भारद्वाज, जी एस जस्सल आदि के साथ शहर के सम्मनित जन ब्रिगेडियर के जी बहल, डॉ बक्शी और अन्य उपस्थित रहे।

अधिकांश सरकारी अस्पतालों में चल रहा है रेफरल रैकेट?

संवाददाता

देहरादून। अधिकांश सरकारी अस्पतालों में रेफरल रैकेट कई सालों से चलता आ रहा है। एम्स में तो तीमारदारों ने इसका खुलासा कर दिया लेकिन सरकारी अस्पतालों में पहुंचने वाले गरीब तबके के लोग इस बात को नहीं पकड सके तो और इनका धंधा चलता जा रहा है?

उल्लेखनीय है कि सरकारी अस्पतालों में अधिकांश गरीब तबके के लोग अपने मरीज को लेकर जाते हैं तथा वहां से जब उनके मरीज को रैफरल किया जाता है तो चिकित्सक की बात को मानकर अपने मरीज को प्राईवेट चिकित्सालयों में ले जाते है। तब उनको इस बात का अभास ही नहीं होता है कि उनका इस्तेमाल किया जा रहा है। उनको तो सिर्फ अपना मरीज दिखायी देता है तथा वह लोगों से कर्ज लेकर अपने मरीज को सही कराने के लिए रूपया लगा देते हैं। एम्स में गरीब ही नहीं सभी वर्गो के लोग अपने मरीजों को लेकर जाते हैं यही कारण है कि वहां पर रेफरल रैकेट चल रहा है उनकी पकड में आ गया और उन्होंने इसके लिए आवाज उठायी? जबकि दून में बाहरी राज्यों से आने वाले लोगों द्वारा स्थानीय चिकित्सक को अपने साथ मिलाकर अस्पताल का संचालन किया जा रहा है। लेकिन उनके बारे में जानकारी जुटाने के लिए कोई तैयार नहीं है। यही लोग बाद में अपने कुछ लोगों को सरकारी अस्पतालों के आसपास मंडाराने के लिए भेज देते हैं।

ये एम्बुलेंस चालक के रूप में तथा अस्पताल के बाहर ऑटों चालक के रूप में सरकारी चिकित्सालयों के आसपास घुमते रहते हैं और जैसे ही डाक्टर ने किसी मरीज के तीमारदारों को मरीज को कहीं अन्य जगह ले जाने के लिए बोला तो वह वहीं पर उसको लपक लेते हैं तथा अपने आकाओं के अस्पताल में उनको लेकर चले जाते हैं। वहां पर उनकी चाल को कोई समझ नहीं पाता है। यहीं है कुछ प्राईवेट चिकित्सालयों के रैफरल रैकेट का मकडजाल? सरकारी अस्पतालों के अन्दर कई लोग बेमतलब के घुमते हुए दिखायी दे जायेगें इनसे कोई नहीं पूछता कि क्यों और कैसे घुम रहे हैं। इनमें से ही होते हैं रैफरल रैकेट के कारिदें? जो मरीज के तीमारदारों पर अपनी निगाह गढाये रहते हैं और जैसे ही चिकित्सक ने मरीज को रेफर करने के लिए कहा बस वहीं से इनका काम शुरू हो जाता है। इसके लिए शीघ्र ही सरकार व चिकित्सालय प्रशासन को ठोस कदम उठाने होंगे तथा इस रेफरल रैकेट चलाने वालों पर लगाम लगानी जरूरी हो गया है। जब इस बात का खुलासा एम्स में भर्ती तीमारदारों ने कर ही दिया है तो इसपर शासन प्रशासन को गम्भीरता से मंथन करने के बाद ठोस कदम उठाने होंगे।

वैज्ञानिक विधि से से ही स्वस्थ रहा जा सकता हैः डा. शैलजा

कार्यालय संवाददाता

मुनस्यारी। उत्तराखंड सरकार की उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र देहरादून के तत्वाधान में आयोजित एक दिवसीय विज्ञान जागरुकता कार्यशाला में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज नमजला, राउमावि रांथी तथा मुनस्यारी पब्लिक जूनियर हाईस्कूल के बच्चों ने लिया बच्चों ने भाग लिया। इस मौके पर विज्ञान से संबंधित चित्रकला बनाकर विज्ञान के प्रति अपनी चेतना को जीवंत कर दिया।

सामाजिक संस्था सोसायटी फॉर एक्शन इन हिमालया द्वारा इन कार्यशालाओं का संचालन किया जा रहा है। बालिका इंटर कॉलेज नमजला में आयोजित कार्यशाला में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक डॉक्टर शैलजा ने विज्ञान आधारित जीवन शैली अपनाने पर बल दिया।

उन्होंने बालिकाओं के भीतर होने वाले विकास पर वैज्ञानिक नजरिया से बच्चों को रूबरू कराया।

उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक विधि से से ही स्वस्थ रहा जा सकता है। उन्होंने मासिक धर्म के बारे में बालिकाओं का ज्ञान वर्धन किया। डॉक्टर शैलजा ने बालिकाओं को स्वस्थ रहने के लिए प्रतिदिन व्यायाम करना चाहिए। वैज्ञानिक चेतना ही समाज में अंधविश्वास को दूर कर सकती है। इस मौके पर धात संस्था द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेकर अपना जौहर दिखाने वाली बालिकाओं को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय की प्रभारी प्रधानाचार्य श्रीमती गीता, शिक्षिका नीतू जोशी, हिमांशी मेहता, मनोज कुमार, स्टाफ नर्स सर्वमंगला पंत, भावना कार्की, ग्राम प्रधान जलथ दीपा देवी,ग्राम प्रधान दरकोट सावित्री पांगती, ग्राम प्रधान दरांती लवराज आर्य,

मुनस्यारी पब्लिक जूनियर हाई स्कूल में भी विज्ञान कार्यशाला आयोजित की गई कार्यशाला में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ गौरव कुमार ने कहा कि चिकित्सा विज्ञान से ही मनुष्य का जीवन बचा सकता है। उन्होंने कहा कि बीमार ना होने के लिए हमको वैज्ञानिक आधार से अपने जीवन यापन करना पड़ता है।

डां गौरव ने बच्चों से वैज्ञानिक चेतना विकसित करने के लिए विज्ञान का अध्ययन करने पर भी बल दिया। कहा कि चिकित्सा विज्ञान विज्ञान का एक महत्वपूर्ण अंग है। हम अपने जीवन को स्वस्थ बना सकते है। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमती नंदा धर्मसक्तू सभी का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज शपथ भारद्वाज को किया सम्मानित

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को मुख्यमंत्री आवास में अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज शपथ भारद्वाज को सम्मानित किया। शपथ भारद्वाज ने पेरू के लीमा में आयोजित आईएसएसएफ विश्वकप ट्रेप शूटिंग की टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। मुख्यमंत्री ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

जिला खाद्य संरक्षा अधिकारी/अभिहित अधिकारी (खाद्य संरक्षा) का कार्यालय हुआ शिफ्ट

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। जिला खाद्य संरक्षा अधिकारी देहरादून श्री पीसी जोशी द्वारा बताए है कि एफडीए देहरादून का कार्यालय मदर स्क्वायर बिल्डिंग नालापानी चौक नैनीताल बैंक के ऊपर स्थित दितीय फ्लोर में शिफट हो गया है पहले यह कार्यालय सीएमओ कार्यालय परिसर से संचालित हो रहा था। रविवार को दुर्गा अष्टमी पर नवीन एफडीए भवन में देहरादून जनपद की खाद्य सुरक्षा टीम एफडीए फूड सेफ्टी विजिलेंस टीम एवं सीनियर ड्रग इंस्पेक्टर जनपद देहरादून एवं उपायुक्त गढ़वाल मंडल राजेंद्र सिंह रावत एवं विभागीय कार्मिकों द्वारा कार्यालय में दुर्गा अष्टमी पूजन एवं वास्तु पूजन नवग्रह पूजा की गई और इसी भवन के प्रथम फ्लोर में सीनियर ड्रग इंस्पेक्टर देहरादून एवं उपायुक्त (खाद्य संरक्षा) गढ़वाल मंडल का कार्यालय भी संचालित होगा जनपद देहरादून के सभी खाद्य व्यापारियों के फूड लाइसेंस इसी कार्यालय से बनेंगे एवं ड्रग लाइसेंस में वरिष्ठ ड्रग इंस्पेक्टर की स्तर की कार्रवाई भी इसी कार्यालय से की जाएगी सैंपलिंग हेतु कार्यालय में सैंपल मैनेजमेंट सिस्टम स्थापित किया गया है जिसमें सैंपल को नियंत्रित तापमान में रखने हेतु कोल्ड चैन स्थापित की गई है। पूजन कार्यक्रम में उपायुक्त गढ़वाल मंडल राजेंद्र सिंह रावत एवं जिला खाद्य संरक्षा अधिकारी पीसी जोशी वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी संजय तिवारी रमेश सिंह श्रीमती मंजू रावत एवं वरिष्ठ ड्रग निरीक्षक नीरज एवं एफडीए फूड सेफ्टी विजिलेंस टीम के उप निरीक्षक जगदीश चंद्र रतूड़ी एवं संजय सिंह नेगी एवं योगेंद्र एवं एफडीए के डाटा एंट्री ऑपरेटर त्रिलोक सिंह बिष्ट एवं महेंद्र रविंदर जसविंदरआदि समस्त कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

अचानक होने वाले दांत दर्द में आराम दिलाएंगे घरेलू नुस्खें

वर्तमान समय का खानपान ऐसा हो गया हैं कि आप बिना किसी शारीरिक परेशानी के रह ही नहीं सकते हैं। आए दिन कई विभिन्न तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता हैं जिसमें से एक हैं दांत दर्द। आज के समय में दांत दर्द एक आम समस्या बन गई है। ये कभी-कभी असहनीय हो जाती है। दांतों में अचानक से दर्द होने के कई वजह हो सकती हैं जैसे दांत में कीड़े या दांतों में सड़न, दांतों की सफाई ना रख पाने, कैल्शियम की कमी, बैक्टीरियल इंफेक्शन या फिर दांतों की जड़ों के कमजोर होने से भी होता है। देखा जाता हैं कि दांतों का यह दर्द उठते ही लोग पेन किलर लेने लग जाते हैं जों कि आपकी सेहत के लिए सही नहीं हैं। इसलिए आज इस कड़ी में हम आपके लिए कुछ ऐसे घरेलू उपाय लेकर आए हैं जिनकी मदद से अचानक होने वाले दांत दर्द में आराम पाया जा सकता हैं। तो आइये जानते हैं इन उपायों के बारे में...

खारे पानी का कुल्ला

ये दांत दर्द से छुटकारा पाने का सबसे कारगर और आसान तरीका है। आपको बस इतना करना है कि उबलते पानी में नमक डालें, इसे घुलने दें और फिर इस पानी से अपना मुंह कुल्ला करें। ये एक प्राकृतिक कीटाणुनाशक है और आपके मुंह से पार्टिकल्स को बाहर निकालता है।

अमरूद के पत्ते

यदि आपके घर में या आस-पास कहीं अमरूद का पेड़ है तो दांत में दर्द होने पर आप उस पेड़ से नए और साफ पत्ते तोड़ लें। इन पत्तों को धुलकर साफ करें और फिर धीरे-धीरे चबाएं। अमरूद के पत्ते चबाने से भी दांत का दर्द ठीक हो जाता है। क्योंकि अमरूद के ताजे पत्तों में ऐंटिबैक्टीरियल और ऐंटिइंफ्लामेट्री गुण पाए जाते हैं। इनसे दांद दर्द में राहत मिलती है और दांत की सूजन कम होती है।

ठंडा सेक

अपने दांत दर्द को ठीक करने के लिए एक और आसान उपाय सूजन वाले एरिया को बर्फ से कंप्रेस करना है। जहां आपको दर्द हो रहा हो वहां आइस पैक को दबाएं। आइस पैक उस एरिया को सुन्न कर देगा और दर्द को कम करेगा।

कच्ची प्याज

प्याज ऐंटिसेप्टिक और ऐंटिबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होती है। दांत दर्द होने की स्थिति में आप प्याज को छीलकर उसे काट लें और उसका एक छोटा-सा टुकड़ा दांत के बीच रख लें। यदि आपको इस तरह मुंह में प्याज का पीस रखने में समस्या आ रही हो तो आप प्याज को कद्दूकस करके उसके रस में रुई को भिगोकर फोहा तैयार कर लें। अब इस फोहे को दांत पर रख लें। आपको आराम मिलेगा।

लौंग

दांत दर्द का इलाज करने का एक प्राचीन तरीका है लौंग। ये बेहद फायदेमंद होती है जिसे प्रभावित एरिया पर रगड़ा जा सकता है। आप लौंग के तेल को निकालकर प्रभावित जगह पर लगा सकते हैं, इससे आपको दर्द से निश्चित रूप से राहत मिलेगी।

हींग

हींग का इस्तेमाल खाने में स्वाद और खुशबू के लिए किया जाता है लेकिन ये कई तरह के घरेलू उपचार में भी फायदेमंद है। अगर आपके दांतों में दर्द है तो चुटकी भर हींग को नींबू के रस में मिलाकर इसे रूई से दांत पर लगाएं। इससे दर्द कम हो जाएगा।

बेकिंग सोडा लगाएं

बेकिंग सोडा में भी एंटीबैक्टीरियल, एंटीफंगल और एंटीसेप्टिक गुण होते हैं। गुनगुने पानी में बेकिंग सोडा डालकर उससे कुल्ला करें। इससे दांत का दर्द कम होता है। इसके अलावा आप गीली रूई में भी थोड़ा सा बेकिंग सोडा छिड़क कर इसे दर्द वाले दांत पर लगा सकते हैं।

हल्दी

हल्दी को एक नेचुरल एंटीबायोटिक माना जाता है। हल्दी, नमक और सरसों के तेल का पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को उस दांत पर लगाएं जिसमें दर्द हो रहा है। हल्दी का ये पेस्ट दांत दर्द में दवा का काम करता है।

लहसुन

लहसुन में नेचुरल एंटीबैक्टीरियल प्रोपर्टीज होते हैं जिनका इस्तेमाल दांतों के दर्द को दूर करने के लिए किया जा सकता है। आप लहसुन को कुचलकर प्रभावित जगह पर लगा सकते हैं या लहसुन के एक टुकड़े को चबा सकते हैं। ये दर्द से राहत देगा और सूजन को कम करेगा।

काली मिर्च

ज्यादा गरम या ठण्डे खाने की वजह से होने वाले दांत दर्द में काली मिर्च तुरंत आराम देता है। इसके लिए काली मिर्च पाउडर और नमक को बराबर मात्रा में मिलाएं। अब इसमें कुछ बूंद पानी की डालकर इसका पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को दर्द वाली जगह पर लगाकर थोड़ी देर के लिए छोड़ दें। इससे दांत दर्द जल्दी ठीक हो जाता है।

शब्द सामर्थ्य -91

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

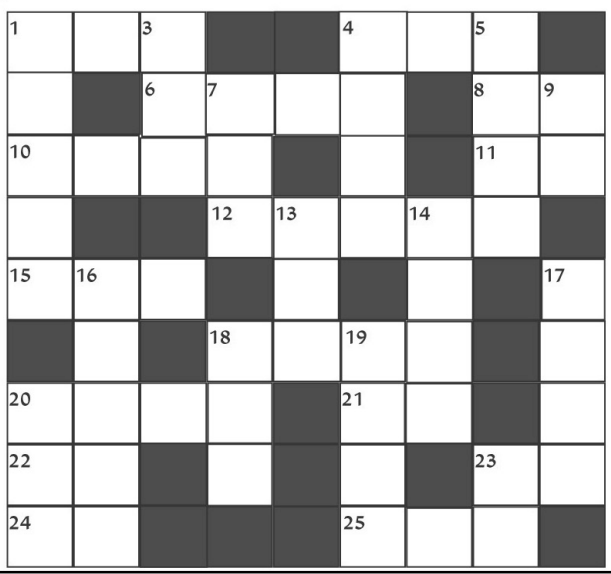

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 90 का हल

स्मृ	ति	■	पा	व	क	■	बे	ल
■	र	ज	नी	च	र	■	■	ट्टू
मु	स्का	न	■	न	म	की	न	■
सा	र	■	स	■	■	ट	ख	ना
फि	■	अ	जा	य	ब	■	रा	जा
र	च	ना	■	था	ल	■	■	य
■	■	धि	■	र्थ	■	स	मा	ज
उ	प	कृ	त	■	आ	वा	ज	■
ल्लू	■	त	■	■	ब	ल	रा	म

अप्रैल 14 को बॉक्स ऑफिस पर होगा महाक्लेश, जर्सी की सफलता पर संदेह

हाल ही में प्रदर्शित हुई आरआरआर की सफलता ने आगामी 14 अप्रैल को प्रदर्शित होने वाली दक्षिण भारत की दो फिल्मों को लेकर दर्शकों में इस बात की जिज्ञासा पैदा कर दी है कि क्या ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कामयाब होंगी या फिर इनका वही हश्र होगा जो प्रभास अभिनीत राधेश्याम का हुआ है। जिस तरह से दर्शक 14 अप्रैल को प्रदर्शित होने वाली निर्देशक प्रशांत नील फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 का इंतजार कर रहे हैं, उसी तरह से वे कोविड-19 के माहौल में ब्लॉकबस्टर फिल्म मास्टर देने वाले थलापति विजय की बीस्ट का भी इंतजार कर रहे हैं। यह दोनों फिल्म 14 अप्रैल को आमने-सामने होने जा रही हैं। केजीएफ-2 का प्रचार इन दिनों जोरों पर है। दर्शक भी बड़े परदे पर यश यानी रॉकी भाई को देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म को लेकर कहा जा रहा है कि अभिनेता यश ने केजीएफ-2 के लिए अपनी फीस को दोगुना कर दिया है। निर्माताओं ने भी सहर्ष इसको कबूल करते हुए उनको दोगुना भुगतान दिया है। मूल रूप से कन्नड़ भाषा बनी केजीएफ पार्ट 1 ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कलेक्शन कर सभी को हैरान कर दिया। इस फिल्म की सफलता ने दर्शकों के बीच यश की इमेज को और भी बड़ा बना दिया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक यश ने पहले पार्ट के लिए लगभग 15 करोड़ रुपये फीस लेने के साथ-साथ प्रॉफिट में भी शेयर लिया था। अब जो रिपोर्ट्स सामने आई हैं उनके मुताबिक यश ने दूसरे पार्ट के लिए अपने फीस डबल की है। बता दें यश को लगभग 30 करोड़ रुपये की मोटी रकम फीस के तौर पर मिली है। यही नहीं यश सिनेमाघरों से होने वाले प्रॉफिट में भी हिस्सा लेंगे। यश के अलावा केजीएफ 2 में संजय दत्त, रवीना टंडन, प्रकाश राज और श्रीनिधि शेट्टी जैसे कई कलाकार अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। ये फिल्म 14 अप्रैल को रिलीज होने के लिए तैयार है। इस फिल्म के साथ ही थलापति विजय स्टारर बीस्ट और शाहिद कपूर की फिल्म जर्सी रिलीज होगी। इस बार बड़े परदे पर महाक्लैश देखने को मिलेगा। हाल ही में केजीएफ 2 का ट्रेलर रिलीज किया गया है, जिसे दर्शकों की ओर से शानदार रिस्पांस मिला है। इन तीनों फिल्मों के कारोबार को लेकर अभी से कयास लगने शुरू हो गए हैं। केजीएफ-2 और बीस्ट पैन इंडिया फिल्में हैं जिन्हें तमिल, तेलुगू, मलयालम और कन्नड के साथ-साथ हिन्दी में भी प्रदर्शित किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर शाहिद कपूर की जर्सी हिन्दी भाषा में बनी मूल तमिल फिल्म जर्सी का रीमेक है। झ

आदिपुरुष भगवान राम के पराक्रम पक्ष को दर्शाएगाः ओम राउत

ओम राउत निर्देशित आदिपुरुष पिछले कुछ समय से चर्चा में है। इसके निर्देशक के अनुसार, बहुप्रतीक्षित रामायण रूपांतरण का उद्देश्य भगवान राम की भव्यता और वैभव को दिखाना है। आदिपुरुष के निर्देशक ओम राउत ने फिल्म के कुछ अहम पहलुओं से अवगत कराया है। ओम राउत ने कहा कि युगों से रामायण का हमेशा एक मजबूत प्रभाव रहा है। मैं राम के पराक्रम (वैभव और भव्यता) पक्ष का चित्रण कर रहा हूं, जिसका मुझ पर बहुत प्रभाव पड़ा है। यह खुलासा करते हुए कि आदिपुरुष की शूटिंग से उनके जीवन में गहरा प्रभाव पड़ा है, ओम राउत ने कहा कि प्रभास और सई अली खान जैसे सितारों के साथ शूटिंग करना एक शानदार अनुभव रहा है। ओम राउत ने कहा कि मैंने प्रभास को बॉडी बनाने के लिए कहा था, क्योंकि वह राम का किरदार निभाएंगे। धनुर्धारियों का एक विशिष्ट शरीर होता है। ओम राउत ने कहा कि प्रभास काम करने वाले सबसे अच्छे लोगों में से एक हैं। अपने काम के रवैये के अलावा, प्रभास सेट पर घर का बना खाना लाते हैं। मुझे उनके बारे में जो पसंद है वह यह है कि वह हमेशा सेट पर लोगों का ख्याल रखते हैं, चाहे उनका कद कुछ भी हो। यह पूछे जाने पर कि वह सैफ अली खान को आदिपुरुष में नायक की भूमिका निभाने के लिए क्यों पसंद किया। ओम राउत ने कहा कि मुझे सैफ के साथ काम करने का बहुत अच्छा अनुभव रहा है। तानाजी में उनकी भूमिका मुझे अच्छी लगी थी। मुझे विश्वास है कि वह इस भूमिका को भी आसानी से निभा सकते हैं।

सरकारु वारी पाटा के विदेशी अधिकार के लिए मिली मोटी रकम

तेलुगू स्टार महेश बाबू की बहुप्रतीक्षित फिल्म सरकारू वारी पाटा रिलीज की ओर बढ़ रही है। सूत्रों का कहना है कि कमर्शियल एंटरटेनर के विदेशी अधिकारों को भारी कीमत पर बेचा गया है। फ्लाईहाई सिनेमाज, जिसने 2021 में जाति रनालू के साथ एक अच्छी हिट फिल्म दी, सरकारू वारी पाटा के लिए यूएसए थियेट्रिकल अधिकारों के अधिग्रहण के लिए श्लोका एंटरटेनमेंट्स और क्लासिक्स एंटरटेनमेंट के साथ सहयोग कर रहा है। फिल्म 11 मई को यूएसए में भव्य प्रीमियर के लिए निर्धारित है, क्योंकि महेश बाबू के पास एक अच्छा विदेशी प्रशंसक है। सरकारू वारी पाटा के निर्माताओं ने उगादी के अवसर पर महेश बाबू की विशेषता वाला एक पोस्टर जारी किया। मुरारी के अभिनेता नए पोस्टर में नीरस लग रहे थे, जिसे फिल्म में एक एक्शन सीक्वेंस से लिया गया है। गीता गोविंदम फेम परशुराम पेटला द्वारा निर्देशित और मैथरी मूवी मेकर्स, 14 रील्स प्लस और जी महेश बाबू एंटरटेनमेंट द्वारा निर्देशित है। महेश बाबू के साथ कीर्ति सुरेश मुख्य भूमिका में हैं, जबकि एसवीपी में संगीत निर्देशक के रूप में थमन हैं।

राजा डीलक्स में प्रभास के साथ नजर आ सकती हैं अनुष्का शेट्टी

बाहुबली: द बिगनिंग और बाहुबली: द कन्क्लूजन में एक साथ नजर आ चुके प्रभास और अनुष्का शेट्टी को लेकर कहा जा रहा है कि यह दोनों जल्द की एक और फिल्म और एक साथ नजर आ सकते हैं। निर्माता इन दिनों अनुष्का शेट्टी से प्रभाव के अपोजिट काम करने के को लेकर बातचीत कर रहे हैं।

प्रभास और अनुष्का शेट्टी के प्रशंसक उनके एक फिल्म के लिए फिर से आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। और ऐसा लग रहा है कि उनका सपना जल्द ही सच हो सकता है। दोनों सितारे निर्देशक मारुति की राजा डीलक्स में मुख्य भूमिका निभाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि प्रभास ने इस फिल्म को साइन कर लिया है और अनुष्का शेट्टी के भी जल्द ही इस फिल्म से जुडने की सम्भावना है। अनुष्का शेट्टी के निर्णय लेने के बाद एक आधिकारिक घोषणा की जाएगी। साहो स्टार ने निर्देशक मारुति के साथ राजा डीलक्स नामक एक कॉमेडी फिल्म साइन की है। कथित तौर पर, उन्होंने सुझाव दिया कि अनुष्का शेट्टी महिला प्रधान के लिए एकदम फिट होंगी। प्रभास के सुझाव के बाद, राजा डीलक्स के निर्माताओं ने अनुष्का शेट्टी के साथ बातचीत शुरू की।

प्रभास और अनुष्का शेट्टी सालों से अच्छे दोस्त हैं। अक्सर, इन दोनों की शादी की खबरों को लेकर समाचार आते रहते हैं। हालांकि, प्रभास और अनुष्का ने कहा है कि वे रिलेशनशिप में नहीं हैं।

इससे पहले एक इंटरव्यू में अनुष्का शेट्टी ने प्रभास को अपना 3 बजे का दोस्त बताया था। दोनों ने बिल्ला, मिर्ची, बाहुबली: द बिगिनिंग और बाहुबली: द कन्क्लूजन जैसी गिनती की फिल्मों में काम किया है। निर्देशक मारुति इन दिनों गोपीचंद और राशि खन्ना की पक्का कमर्शियल के पोस्ट-प्रोडक्शन पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म को पूरा करने के बाद ही वे राजा डीलक्स को शुरू करेंगे।

द वॉरियर की टीम ने राम पोथिनेनी का पुलिस लुक जारी किया

निर्देशक एन लिंगुसामी की बहुप्रतीक्षित एक्शन एंटरटेनर द वॉरियर की टीम ने शनिवार को उगादी के शुभ अवसर पर फिल्म में अभिनेता राम पोथिनेनी का पुलिस लुक जारी किया। टीम ने जो नया पोस्टर जारी किया है, उसमें राम पोथिनेनी पुलिस की वर्दी में बाइक चला रहे हैं। फिल्म इस साल 14 जुलाई को दुनिया भर में स्क्रीन पर हिट होने वाली है। श्रीनिवास चित्तूरी श्रीनिवास सिल्वर स्क्रीन के बैनर तले फिल्म का निर्माण कर रहे हैं, जबकि पवन कुमार इसे प्रस्तुत कर रहे हैं। आधी पिनिसेट्टी इस फिल्म में एक खूंखार विलेन का किरदार निभा रही हैं। 2021 में सीटीमार की शानदार सफलता के बाद द वॉरियर प्रोडक्शन हाउस का नया उद्यम है। फिल्म में कृति शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं, जिसमें अक्षरा गौड़ा एक महत्वपूर्ण और दिलचस्प किरदार निभाएंगी।

दंगल की छोटी बबीबा अब हो गई बड़ी, खूबसूरती में देती हैं बॉलीवुड हसीनाओं को मात

आमिर खान की फिल्म 'दंगल' गीता फोगाट के बचपन वाले अंदाज और दमदार अभिनय से फैंस के दिलों में अपनी जगह बनाने वाली जायरा वसीम तो सभी को याद हैं. लेकिन क्या आपको बबीता फोगाट का किरदार निभाने वाली बच्ची याद है? अगर याद भी है तो आप उनकी ताजा तस्वीरें देखकर उन्हें पहचान नहीं पाएंगे. क्योंकि वह अब काफी हसीन हो चुकी हैं.

फिल्म में 'दंगल' आमिर खान और साक्षी तंवर की चार बेटियां थीं. फिल्म पहलवान गीता-बबीता के ऊपर फिल्माई गई थी. फिल्म में गीता का किरदार जायरा वसीम ने और बबीता का किरदार सुहानी भटनागर ने निभाया था. अब इतने साल बाद सुहानी भटनागर की एक तस्वीर वायरल हो गई. इस तस्वीर में वह बहुत ही खूबसूरत नजर आ रही हैं. देखिए ये फोटोज्इन तस्वीरों में बबीता उर्फ सुहानी भटनागर का लुक पूरा बदल गया है.

फैंस भी इन तस्वीरों को देख अपनी आंखों पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं. एक यूजर ने लिखा- कितनी बदल गई हो सो ब्यूटिफुल वहीं दूसरे यूजर ने लिखा- यकीन नहीं होता की यह वही बच्ची है. सुहानी भटनागर के बारे में बताएं तो उन्होंने बचपन से ही एक्टिंग लाइन में कदम रख दिया था.

उन्होंने अपने करियर की शुरुआत विज्ञापनों से की थी. सुहानी ने अपनी पढ़ाई फरीदाबाद के दिल्ली पब्लिक स्कूल से की है. सुहानी का एक भाई भी है. सुहानी को एक्टिंग के अलावा सिंगिंग और डांसिंग का भी शौक है. बॉलीवुड फिल्म दंगल उनकी डेब्यू फिल्म है.

ऑनलाइन लीक हुई जॉन अब्राहम की फिल्म अटैक

जॉन अब्राहम पिछले काफी समय से फिल्म अटैक को लेकर सुर्खियों में थे। अब आखिरकार उनकी यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है, जिसे दर्शकों और समीक्षकों से काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। इसी बीच फिल्म को लेकर एक बुरी खबर आई है। दरअसल, रिलीज होते ही यह फिल्म कई पायरेटेड साइटों पर ऑनलाइन लीक हो गई है। अब इससे बेशक फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर असर पड़ेगा।

फिल्म अटैक कई वेबसाइट पर लीक हुई है। इन वेबसाइटों पर फिल्म एचडी क्वॉलिटी में उपलब्ध है, जिसे लोग धड़ल्ले से मुफ्त में डाउनलोड कर रहे हैं, जिसने निर्माताओं के माथे पर चिंता की लकीर खींच दी है। हालांकि, यह पहला मौका नहीं है, जब कोई फिल्म ऑनलाइन लीक हुई। इससे पहले रिलीज हुई आरआरआर, गंगूबाई काठियावाड़ी, द कश्मीर फाइल्स जैसी कई फिल्में ऑनलाइन लीक हो चुकी हैं।

जॉन को पिछली बार फिल्म सत्यमेव जयते 2 में देखा गया था। हालांकि, उनकी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर असफल रही थी। एक तरफ इसे टिकट खिड़की पर सफलता नहीं मिली और दूसरी तरफ फिल्म रिलीज होने के कुछ घंटों बाद ही ऑनलाइन लीक हो गई। सत्यमेव जयते 2 का प्रिंट कई पायरेटेड साइटों पर लीक हो गया और इस वजह से भी फिल्म की कमाई प्रभावित हुई। यह फिल्म पिछले साल 25 नवंबर को दर्शकों के बीच आई थी।

पायरेसी करने वाली साइटों पर कार्रवाई होती आई है। 2018 में मद्रास हाईकोर्ट ने 12,000 वेबसाइटों पर प्रतिबंध लगाया था। इसमें अकेले 2,000 वेबसाइट तमिलरॉकर्स की थीं। प्रतिबंधित किए जाने के बाद भी वे हर बार एक नए प्रॉक्सी सर्वर के साथ लौट आती हैं।

अटैक में भारत के पहले सुपर सोल्जर की कहानी दिखाई जाएगी। सुपर सोल्जर का रोल जॉन ने किया है। फिल्म में जकैलीन फर्नांडिस उनकी गर्लफ्रेंड बनी हैं, वहीं रकुल प्रीत सिंह, प्रकाश राज और रत्ना पाठक भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। फिल्म को लक्ष्यराज आनंद ने निर्देशित किया है। इसमें जॉन के अभिनय और एक्शन की खासी तारीफ हो रही है। प्रशंसकों का कहना है कि जॉन ने फिल्म के जरिए एक्शन और मनोरंजन का जबरदस्त डोज दिया है।

जॉन के खाते में एक से बढ़कर एक कई फिल्में हैं। वह शाहरुख खान के साथ फिल्म पठान में दिखने वाले हैं। इसमें जॉन विलेन की भूमिका में नजर आएंगे। भूषण कुमार की एक फिल्म से जॉन बतौर निर्माता जुड़े हुए हैं। हिट मलयालम फिल्म अय्यप्पनम कोशियुम के हिंदी रीमेक में भी जॉन अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। इसके अलावा वह फिल्म तेहरान का हिस्सा हैं। उनकी यह फिल्म अगले साल गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज होने वाली है।

कांग्रेस नेतृत्व से पार्टी नहीं संभल रही ?

अजीत द्विवेदी

कोई कुछ भी कहे हकीकत यहीं है कि कांग्रेस नेतृत्व से पार्टी नहीं संभल रही है। हैरानी की बात यह है कि कांग्रेस नेतृत्व में पार्टी को संभालने का न तो जुनून दिख रहा है और न कोई ठोस संरचनात्मक योजना दिख रही है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि कांग्रेस अब भी मजबूत है और सिर्फ चुनाव हार जाने से वह खत्म नहीं हो जाएगी। सैद्धांतिक रूप से यह बात ठीक है लेकिन कांग्रेस के सामने संकट सिर्फ यह नहीं है कि वह चुनाव हार रही है, बल्कि असली संकट यह है कि उसकी जगह लेने के लिए विकल्प उभर रहा है। भारतीय जनता पार्टी के लिए सबसे अच्छी बात यह थी कि हिंदुत्व की राजनीति के स्पेस में वह अकेली पार्टी थी। इसलिए लगातार हारते रहने के बावजूद हिंदुत्व की विचारधारा और उसके राजनीतिक स्पेस की वह अकेली प्रतिनिधि पार्टी के तौर पर बची रही। इसके उलट कांग्रेस के आइडिया और उसके स्पेस में राजनीति करने वाली पार्टियों की भरमार है। कांग्रेस से अलग हुई पार्टियां हों या समाजवादी विचारधारा वाली पार्टियां हों या आम आदमी पार्टी हो सब कांग्रेस के आइडिया और उसके स्पेस में राजनीति कर रहे हैं। तभी कांग्रेस का संकट बहुत गहरा है।

कांग्रेस का मौजूदा नेतृत्व इस संकट की गंभीरता को नहीं समझ रहा है या समझ रहा है तो उसके पास इस संकट से निपटने की कोई योजना नहीं है। राजनीति एक जुनून है, जो सत्ता की अदम्य चाहना से निर्देशित होती है। सारी पार्टियां और नेता कहते हैं कि वे देश और जनता की सेवा के लिए राजनीति में आएं हैं लेकिन यह सिर्फ कहने की बात होती है। हर पार्टी और राजनेता को निर्देशित करने वाली केंद्रीय शक्ति सत्ता की भूख होती है। कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व में या कम से कम राहुल गांधी में उसकी कमी है। वे यह मान कर राजनीति नहीं करते हैं कि इसमें असफल हो गए तो दुनिया खत्म हो जाएगी! वे यह मान कर राजनीति करते हैं और चुनाव लड़ते हैं कि हार गए तो क्या हो जाएगा? क्योंकि कांग्रेस की लगातार हार से भी उनकी स्थिति पर कोई फर्क नहीं पड़ता है इसलिए वे जुनून के साथ न राजनीति करते हैं और न चुनाव लड़ते हैं। उनकी राजनीतिक ईमानदारी, बेबाकी और साहस अपनी जगह हैं लेकिन सिर्फ बयानों से राजनीति नहीं होती है।

हकीकत यह है कि राहुल गांधी हों या कांग्रेस का पूरा मौजूदा नेतृत्व हो उसमें ऊर्जा का अभाव है। उसमें स्पष्ट वैचारिक सोच का अभाव है। उसको समझ में नहीं आ रहा है कि उसकी वैचारिक व राजनीतिक विशिष्टता क्या है! उसके नेता हिंदुत्व की राजनीति की काट में कभी मंदिरों में दौड़ते हैं और भारत के धर्मनिरपेक्ष ढांचे को चोट पहुंचाने वाली बातों पर भी चुप रह जाते हैं तो कभी खैरात बांटने वाली राजनीति के जवाब में ज्यादा खैरात बांटने की घोषणा करते हैं। कभी इसकी तरफ तालमेल का हाथ बढ़ाते हैं तो कभी उसकी तरफ। दीर्घावधि की योजना से कुछ भी निर्देशित होता नहीं दिख रहा है। सारे फैसले तात्कालिक राजनीतिक और चुनावी जरूरतों को ध्यान में रख कर किए जा रहे हैं।

इसके बाद जब पार्टी के नेता सवाल उठाते हैं और पार्टी छोड़ते हैं तो उनको कायर, डरपोक, अहसानफरामोश कहा जाने लगता है। किसी को कायर कह देना बहुत आसान है। आप साहसी हैं इसका यह मतलब नहीं है कि आपसे सहमत नहीं होने वाला हर व्यक्ति कायर है। क्या कांग्रेस छोड़ने वाले सारे लोग सिर्फ ईडी, सीबीआई या आयकर विभाग के डर से पार्टी छोड़ कर गए हैं या कोई और गहरी समस्या है, जिसने दशकों तक पार्टी में रहे नेताओं को मजबूर किया कि वे पार्टी छोड़ें? सत्ता का लालच पार्टी छोड़ने का एक कारण हो सकता है और हो भी क्यों नहीं क्या सारी राजनीति सत्ता के लिए ही नहीं होती है? राहुल गांधी में सत्ता की भूख नहीं है या सत्ता की अदम्य चाहना नहीं है लेकिन उनको यह उम्मीद नहीं करनी चाहिए कि बाकी लोग भी सत्ता से निरपेक्ष होकर राजनीति करेंगे। आज कांग्रेस के जो नेता पार्टी छोड़ने वालों को कायर, अहसानफरामोश या सत्ता का लालची कह रहे हैं, जरा राहुल गांधी उनका पद वापस लेकर दिखाएं, फिर पता चलेगा कि असलियत क्या है? क्या आज कोई मंत्री, मुख्यमंत्री या पार्टी का पदाधिकारी स्वेच्छा से अपना पद छोड़ेगा? अगर उसे लालच नहीं है और वह साहसी है तो पद छोड़ कर लड़े! यकीन मानिए ऐसा हुआ तो लड़ने वालों की संख्या बहुत कम बचेगी!

इसलिए कांग्रेस नेतृत्व को अपने स्वप्न लोक से निकलना होगा और व्यावहारिकता के कठोर धरातल पर खड़े होकर राजनीति करनी होगी। उसे समझना होगा कि सिर्फ केंद्र सरकार की एजेंसियों के डर से लोग कांग्रेस नहीं छोड़ रहे हैं, बल्कि उनको यकीन हो गया है कि कांग्रेस का मौजूदा नेतृत्व उन्हें सत्ता नहीं दिला सकता है। वे अपने भविष्य की चिंता में कांग्रेस छोड़ रहे हैं। उनको लग रहा है कि कांग्रेस नेतृत्व का करिश्मा खत्म हो गया है। उसमें कोई ऊर्जा, कोई वैचारिकता और सत्ता हासिल करने की अदम्य इच्छा से निर्देशित होने का जुनून नहीं बचा है। उनको लग रहा है कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा कांग्रेस पार्टी को रसातल से नहीं निकाल पाएंगे। उनको दिख रहा है कि कांग्रेस एक खड़ी ढलान से लुढ़कती हुई पार्टी है, जिसके बीच में रूकने और वापस सत्ता की चढ़ाई चढ़ने का कोई मौका अभी नहीं है।

कांग्रेस को सबसे पहले यह समझने की जरूरत है कि पार्टी और नेतृत्व दोनों कमजोर हो गए हैं। सोचें, कांग्रेस पार्टी ढाई साल से अध्यक्ष नहीं चुन पाई है। लोकसभा चुनाव हारने के बाद राहुल ने इस्तीफा दिया तब से पार्टी सोनिया गांधी के तदर्थ नेतृत्व में चल रही है। कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व इस चिंता में दुबला हुआ जा रहा है कि भाजपा की ओर से वंशवाद के आरोप लगाए जा रहे हैं तो कैसे खुल कर पार्टी का नेतृत्व परिवार के हाथ में ही रखा जाए। कांग्रेस को यह भ्रम तत्काल खत्म करना होगा। पहले भी कांग्रेस में आंतरिक लोकतंत्र टाइप की कोई चीज नहीं थी और पहले भी कांग्रेस का नेतृत्व परिवार के हाथ में रहा तभी कांग्रेस एकजुट रही और बची रही। या तो आंतरिक लोकतंत्र और वंशवाद की चिंता छोड़ कर नेहरू-गांधी परिवार कमान अपने हाथ में रखे या तत्काल किसी ऐसे नेता को कमान सौंपे, जिसमें सत्ता के लिए लड़ने-भिड़ने का जुनून हो। नेतृत्व के साथ ही विचारों में स्पष्टता लानी होगी और अपनी राजनीति को धारदार बनाना होगा। सिर्फ प्रतीकात्मक विरोध से कुछ नहीं होगा और न ट्विटर पर आंदोलन करने से कुछ होगा। नेता को सड़क पर उतरना होगा।

अब सुरभि चंदना करेगी हुनरबाज शो को होस्ट

मनोरंजन जगत की मशहूर कॉमेडियन भारती सिंह इन दिनों अपनी जिंदगी के बेस्ट फेज में हैं। हाल ही में भारती ने अपने पहले बच्चे को जन्म दिया है। भारती अपने न्यू बॉर्न बेबी संग अपनी लाइफ के सबसे खूबसूरत और यादगार पल बीता रही हैं। ऐसे में हुनरबाज शो में अब भारती सिंह नहीं दिखाई देगी। भारती के स्थान पर अब शो को टीवी की नागिन सुरभि चंदना होस्ट करती हुई नजर आएंगी।

वही अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर सुरभि चंदना ने शो के सेट से कई सारे वीडियो साझा किए हैं। एक वीडियो में सुरभि हुनरबाज के सेट पर किसी बात पर चर्चा करती हुई दिखाई दे रही हैं, जबकि मिथुन चक्रवर्ती उनके साथ खड़े हुए नजर आ रहे हैं। सुरभि को शो में देखने के लिए प्रशंसक बहुत उत्साहित हैं। एक वीडियो में सुरभि के साथ हर्ष भी दिखाई दे रहे हैं। सुरभि ने इस सप्ताह एपिसोड के लिए हर्ष के साथ शो होस्ट किया है। हालांकि, इस बारे में अभी कोई कंफर्मेशन सामने नहीं आई है कि सुरभि आगे भी शो में बनी रहेंगी या फिर भारती फिर से हुनरबाज को ज्वॉइन करेंगी।

वही हुनरबाज शो के मंच पर भारती सिंह अपने मजाकिया अंदाज से प्रशंसकों के दिलों को जीतती आई हैं। शो के जजेस संग भी भारती का स्पेशल बॉन्ड देखने को मिला है। भारती के जोक्स सेट की शोभा को बढ़ा देते हैं। भारती का सेट पर ना होना उनके प्रशंसकों को दुखी कर सकता है। हालांकि, अब सुरभि भारती के अंदाज को कैसे मैचअप करती हैं ये देखने वाली बात होगी।

सू- दोकू क्र. 91

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.90 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

जॉन अब्राहम को अपनी फिल्मों में नहीं पसंद आइटम सांग!

बॉलीवुड के माचो हीरो जॉन अब्राहम को अपनी फिल्मों में आइटम सॉन्ग पसंद नहीं हैं।

जॉन अब्राहम की फिल्मों में अक्सर एक ना एक आइटम सॉन्ग जरूर होता है, लेकिन उन्हें अपनी फिल्म में आईटम सॉन्ग पसंद नहीं है। जॉन का कहना है कि उन्हें आइटम सॉन्ग्स से काफी तकलीफ होती है, क्योंकि वह हमेशा इस बात को लेकर चिंता में होते हैं कि ये सॉन्ग फिल्म का नैरेटिव ना ब्रेक कर दें।

जॉन अब्राहम ने बताया, 'मुझे लगता है कि मेरी अधिकतम फिल्मों का म्यूजिक बेहतरीन रहा है, चाहे आप 'जिस्म' का म्यूजिक देख लीजिए। ये मेरा ऑल टाइम फेवरेट है।

मुझे लगता है कि गलती से मुझे कई अच्छे सॉन्ग करने को मिल गए। लेकिन, कई बार मैंने खराब गाने भी किए। इन सब में मुझे सबसे ज्यादा खराब चीजें जो मुझे लगती हैं, जब मुझसे कहा जाता है कि फिल्म में आइटम सॉन्ग होगा और ये फिल्म के लिए जरूरी है। ये चीज मुझे मार देती है। मुझे तोड़ देती है।

जॉन इन दिनों अपनी फिल्म 'अटैक' को लेकर चर्चा में हैं।फिल्म में जॉन के साथ ही रकुल प्रीत सिह और जैकलीन फर्नांडीस भी अहम किरदार में हैं।

पीछे छूटी टीबी से लड़ाई

किजब कोविड ने कहर बरपाया, तब टीबी सरकार और समाज की प्राथमिकता में काफी पीछे छूट गई। सवाल है क्या अब कोविड के शांत होने के बाद टीबी की लगातार गंभीर होती समस्या की तरफ सरकार और स्वास्थ्य व्यवस्था का ध्यान जाएगा? दुनिया के टीबी मरीजों में से एक चौथाई भारत में हैं।

कोविड-19 ने टीबी के खिलाफ लड़ाई को भारी नुकसान पहुंचाया है। हालांकि इससे कुछ सबक सीखने को भी मिले हैं। अब यह हम पर है कि हम इन सबकों को सीखते हैं या नहीं। असल सवाल राजनीतिक इच्छाशक्ति का है। यहां ये याद कर लेना उचित होगा कि 2020-21 में जब कोविड ने कहर बरपाया, तब टीबी सरकार और समाज की प्राथमिकता में काफी पीछे छूट गई। सवाल है कि क्या अब कोविड के शांत होने के बाद टीबी की लगातार गंभीर होती समस्या की तरफ सरकार और स्वास्थ्य व्यवस्था का ध्यान जाएगा? गौरतलब है कि दुनियाभर के टीबी मरीजों में से लगभग एक चौथाई भारत में हैं। एक अनुमान के मुताबिक 2020 में भारत में लगभग पांच लाख लोगों की मौत टीबी से हुई, जो कि पूरी दुनिया में हुई मौतों का एक तिहाई है। करीब एक दशक में पहली बार 2020 में टीबी से मौतों में वृद्धि हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक कोविड महामारी ने टीबी के मोर्चे पर सालों की मेहनत पर पानी फेर दिया। बीते हफ्ते विश्व टीबी दिवस के मौके पर भारत ने एक नई रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट के मुताबिक 2019-21 के दौरान लगभग दो तिहाई लोग ऐसे थे, जिनके अंदर टीबी के लक्षण पाए गए, लेकिन उन्हें इलाज नहीं मिला।

सर्वाइवर्स अगेंट्स टीबी नाम की संस्था के मुताबिक कोरोना महामारी के समय टीबी के खिलाफ मुहिम में शामिल लोग बेहद डरे हुए थे। उन्हें किसी भी तरह की सूचना, टेस्ट और इलाज आदि की सुविधाएं उस समय उपलब्ध नहीं थीं। यही कारण रहा जिससे कोविड ने टीबी के खिलाफ लड़ाई को बहुत पीछे पहुंचा दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2025 तक- यानी संयुक्त राष्ट्र की समयसीमा से पांच साल पहले देश से टीबी खत्म करने का लक्ष्य तय किया हुआ है। लेकिन अब इस लक्ष्य को हासिल करना बेहद मुश्किल लग रहा है। ऐसा तभी हो सकता है, अगर टीबी के मामलों को खोजने के लिए जमीनी स्तर पर विशेष अभियान चलाए जाएं। इसके लिए अतिरिक्त फंडिंग की जरूरत होगी। फिर यह भी गौरतलब है कि टीबी की बड़ी वजह कुपोषण है, जिसके भारत में बढ़ने के संकेत हैँ। बहरहाल, ये अच्छी खबर है कि मास्क की वजह से टीबी का प्रसार भी 20 प्रतिशत तक कम होने का अनुमान लगाया गया है। ऐसे उपायों को जारी रखने की जरूरत है।(आरएनएस)

स्कूलों की छुट्टी के समय डालनवाला में होती है लोगों को फजीहत

देहरादून (संवाददाता)। स्कूलों की छुट्टी के समय डालनवाला क्षेत्र के लोगों के लिए फजीहत हो जाती है वहां पर वाहनों से लगने वाले जाम से घंटों जाम में फंसने से लोगों को परेशानी का सामना करना पडता है। यहां डालनवाला क्षेत्र में जहां एक ओर नामी स्कूल है तो वहीं अस्पताल भी हैं। स्कूलों की छुट्टी के समय ईसी रोड, कर्जन रोड, प्रीतम रोड आदि क्षेत्रों में वाहनों की लम्बी-लम्बी कतारें लगनी शुरू हो जाती है जहां इससे स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पडता है तो वहीं अस्पताल के लिए जा रहे मरीजों को भी घंटों जाम में फंसना पडता है। जाम कर्जन रोड से ईसी रोड रायपुर रोड पर इस कदर लग जाता है कि वाहनों से जाना तो दूर की बात है पैदल चलना भी मुहाल हो जाता है। तो वहीं डालनवाला क्षेत्र मे केरोनेशन अस्पताल के साथ-साथ कई नामी चिकित्सकों के भी प्राईवेट अस्पताल होने के कारण मरीजों को भी काफी दिक्कतें पेश आती है। मरीजों को घंटों जाम में फंसे होने के कारण वाहनों के अन्दर भगवान भरोसे पडे रहते हैं। पुलिस प्रशासन ने आज तक इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया। मात्र दो होमगार्ड रायपुर रोड से कर्जन रोड जाने वाले मार्ग पर खडे करके पुलिस अधिकारी अपने कर्त्तव्यों की इतिश्री कर लेते हैं। जबकि डालनवाला क्षेत्र में रहने वाले लोगों का इस परेशानी से प्रत्येक दिन झूझना पडता है। यही नहीं स्कूली बच्चों को भी जाम के कारण इस गर्मी के दिनों में काफी परेशानी का सामना करना पडता है।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार पुलिसकर्मी की मौत

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। सड़क दुर्घटना में देर रात बाइक के खड्ड में गिर जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गयी। मृतक उत्तराखण्ड पुलिस का सिपाही था जो इन दिनों चमोली जनपद में तैनात बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार कल देर रात हरिद्वार मार्ग पर खैरा होटल के निकट अचानक एक बुलेट मोटरसाइकल अनियंत्रित होकर गड्ढे में जा गिरी। दुर्घटना में बुलेट सवार अनिल चौधरी पुत्र ज्योति सिंह निवासी ग्राम बल्हेड़ी थाना भगवानपुर गंभीर रुप से घायल हो गया। घटना की सूचना पर मंडावली पुलिस ने घायल पुलिस कर्मी को एंबुलेंस के जरिए नजीबाबाद स्थित निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। मृतक अनिल चौधरी उत्तराखंड के जनपद चमोली में पुलिस आफिस में आरक्षी पद पर तैनात था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर स्वजनों व उत्तराखण्ड पुलिस के कंट्रोल रुम को सूचना दे दी है।

आरोप सत्य साबित हुए तो छोड़ दूंगा ...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

विपक्ष बनाए जाने पर कहा कि यह पार्टी हाईकमान का फैसला है इस पर वह कुछ नहीं कहना चाहते साथ ही उन्हें कोई पद न दिए जाने पर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि मुझे इस तरह के आरोपों के बाद कोई पद चाहिए भी नहीं। मेरी अंतरात्मा ऐसी स्थिति में किसी भी पद को स्वीकार करने की अनुमति नहीं देगी। कल मुख्यमंत्री धामी के साथ हुई अपनी मुलाकात के मकसद पर किए गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि उनकी मुलाकात का कार्यक्रम पहले से तय था इसका नेता विपक्ष व प्रदेश अध्यक्ष के नाम की घोषणा से कोई मतलब नहीं है न इसे इससे जोड़कर देखा जाना चाहिए। केंद्रीय नेताओं द्वारा अपने खिलाफ कई गई बातों से आहत दिखे प्रीतम सिंह का कहना है कि जब तक इन अनर्गल आरोपों की जांच नहीं होगी और दूध का दूध और पानी का पानी नहीं होगा तब तक वह कोई पद नहीं लेंगे। उन्हें चकराता की जनता ने चुना है उनके लिए काम करते रहेंगे।

महंगाई के खिलाफ धर्मनगरी हरिद्वार में जोरदार प्रदर्शन

विशेष संवाददाता

हरिद्वार। बढ़ती महंगाई पर चिंता प्रकट करते हुए पूर्व कृषि उत्पादन मंडी समिति के अध्यक्ष संजय चोपड़ा के नेतृत्व में आज प्रदर्शनकारियों ने बिरला चौक पर केंद्र व राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर जोरदार प्रदर्शन किया गया।

इस अवसर पर पूर्व कृषि उत्पादन मंडी समिति अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा उत्तराखंड सरकार निरंकुश होकर जनता पर महंगाई का बोझ डाल रही है। सरकार के मंत्री व जनप्रतिनिधि महंगाई पर अंकुश लगाने पर नाकाम साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा पूर्व में अपने मंडी अध्यक्ष पद पर रहते हुए आम उपभोक्ताओं को हरिद्वार मंडी के माध्यम से फल सब्जी मेले लगाकर मंडी के थोक भाव में ही आम जनता को ध र्मनगरी के सभी चौराहों पर स्टाल लगाकर रोजमर्रा की जरूरत की खाद्य रसद सामग्री उपलब्ध कराने के लिए अभियान चलाए गये थे।

राज्य में बढ़ती महंगाई के कारण असंगठित क्षेत्र के गरीब श्रमिकों को अपने परिवार की गुजर-बसर करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है राज्य सरकार के जनप्रतिनिधि अपने स्वागती कार्यक्रमों में व्यस्त हैं जोकि दुर्भाग्यपूर्ण है संजय चोपड़ा ने चेतावनी दी यदि शीघ्र ही महंगाई पर कंट्रोल करने के लिए कोई उचित कदम सरकार की ओर से नहीं उठाए गए तो सरकार की नाकामी के विरुद्ध चरणबद्ध तरीके से आंदोलन किए जाएंगे। प्रदर्शन करते सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों में लघु व्यापारी नेता मनोज कुमार मंडल, जीप यूनियन से अरुण अग्रवाल, प्रेमपाल सिंह, श्रमिक नेता कुमार सिंह मंडवाल, प्रभात चौधरी, वीरेंद्र कुमार, राजेंद्र पाल, श्याम जीत, राजकुमार, देवेंद्र बिष्ट, छोटे लाल शर्मा सहित कई लोग मौजूद रहे।

हार की बौखलाहट में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने विवेक भी खो दिया: निदेशक

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड राज्य सहकारी बैंक के गढ़वाल सीट के निदेशक मनोज पटवाल ने कहा कि कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल की चुनाव हारने के बाद बौखलाहट इतनी बढ़ गई है कि वे भर्ती घोटाले पर ध रना देने पहुंच गए। उन्होंने कहा कि उन्हें पता ही नहीं है कि सहकारिता भर्ती घोटाला किसने किया और किसने इसकी जांच बैठाई।

उन्होंने कहा कि इस भर्ती घोटाले की स्वयं सहकारिता मंत्री डॉक्टर धन सिंह रावत ने जांच बिठाई और सहकारिता मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने कई बार अपने बयान में कहा है कि अगर विभागीय जांच सही तरीके से नही होगी तो हमारी सरकार एसआईटी की जांच करवाएगी। पटवाल ने कहा कि जब प्रदेश में आदर्श आचार संहिता लगी हुई थी तब कुछ अधिकारियों ने आनन फानन में भर्ती प्रक्रिया करवाई थी। उन्होंने कहा जैसे ही सहकारिता मंत्री को इस भर्ती में घोटाले की शिकायत मिली उन्होंने तुरंत सहकारिता सचिव को निर्देशित करते हुए भर्ती को रुकवाकर जांच के आदेश दिए और बैंक के अधिकारियों को निलम्बित किया। कहा कि गणेश गोदियाल को अपने आप को देखना चाहिए कि जब उन्होंने राठ के भोले भाले लोगो से लाखों रुपए इकट्ठा किये थे और उन्हें सब्जबाग दिखाए थे कि मैं तुमारे लिए फूड पार्क बनाऊंगा मनोज पटवाल ने कहा कि गोदियाल एक बार उन लाखो रुपए का हिसाब दे दे या फूड पार्क दिखा दे।

तीर्थ धर्मों में पंचगव्य का आचमन हो अनिवार्य: भैरव वाहिनी

संवाददाता

देहरादून। देवभूमि भैरव वाहिनी ने तीर्थ नगरी में पंचगव्य का आचमन अनिवार्य करने की मांग को लेकर जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत देवभूमि भैंरव वाहिनी के कार्यकर्ता जिला मुख्यालय में एकत्रित हुए जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि देवभूमि भैंरव वाहिनी पिछले कई वर्षो से तीर्थ क्षेत्रों में अनैतिक धार्मिक घुसपैठ को रोकने तथा तीर्थ धामों को अपवित्र तथा खंडित होने से बचाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने मांग की है कि तीर्थ धामों के प्रवेश क्षेत्र में पंचगव्य का आचमन अनिवार्य किया जाये। जोकि सनातन संस्कृति हित में न्यायोचित मांग है। जिसके शासनादेश से शुद्धिकरण को तो बल मिलेगा ही बल्कि दुर्भावना के उद्देश्य से विश्व स्तरीय सनातनी तीर्थ क्षेत्रों में आगमन करने वालों पर भी मानसिक दबाव तथा प्रभाव पडेगा।

उन्होंने कहा कि यह भविष्य में देवभूमि उत्तराखण्ड की सनातन संस्कृति और परंपराओं को बचाने व संजोने के प्रयासों के रूप में देखा जायेगा। ज्ञापन देने वालों मे राहुल सूद, सौरभ रावत, आर्यन रावत, राजकुमार, रवि सिंह, आकाश मिश्रा, रंजीत कोरी, कुलभूषण गुरूंग आदि शामिल थे।

एक नजर

नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी के समक्ष पेश हुए मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली । नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे से पूछताछ कर रहे हैं।सूत्रों के मुताबिक उन्हें आज ईडी के समक्ष पेश होने के लिए तलब किया गया था। वह सोमवार सुबह ११ बजे प्रवर्तन निदेशालय के दफ्तर पहुंचे हैं। नेशनल हेराल्ड केस में प्रर्वतन निदेशालय कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच कर रहा है। फरवरी में दिल्ली हाई कोर्ट ने मामले में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य आरोपियों से जवाब मांगा था। न्यायमूर्ति सुरेश

कैत ने गांधी परिवार को नोटिस जारी करते हुए एआईसीसी महासचिव ऑस्कर फर्नांडीस, सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और यंग इंडिया (वाईआई) ने १२ अप्रैल तक स्वामी की याचिका पर अपना पक्ष रखने की मांग की थी। स्वामी ने आरोप लगाया है कि वाईआईएल, जिसके निदेशक मंडल में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और उपाध्यक्ष राहुल गांधी हैं, ने लाभ और संपत्ति हासिल करने के लिए दुर्भावनापूर्ण तरीके से निष्क्रिय प्रिंट मीडिया आउटलेट की संपत्ति पर अधिग्रहण किया था। २,००० करोड़ रुपये गांधी परिवार के अलावा, कांग्रेस के कोषाध्यक्ष मोतीलाल वोरा, महासचिव ऑस्कर फर्नांडीस, पत्रकार सुमन दुबे और टेक्नोक्रेट सैम पित्रोदा को भी मामले में नामजद किया गया था।

इमरान खान और उनके साथी सदस्यों ने संसद से किया वॉकआउट

नई दिल्ली । पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे इमरान खान संसद तो पहुंचे, लेकिन इसके कुछ ही देर बाद वो वहां से निकल गए। इसके बाद उनके बाकी समर्थक सदस्य भी संसद से बाहर आए। पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार गिरने के बाद अब नए प्रधानमंत्री को चुने जाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। पाकिस्तानी

संसद में नए पीएम के चुनाव की प्रक्रिया जारी है, लेकिन इससे ठीक पहले इमरान खान और उनके साथी सदस्यों ने संसद से वॉकआउट कर दिया। यानी इमरान खान नए पीएम को चुने जाने की इस प्रक्रिया का हिस्सा नहीं होंगे। बाहर आकर इन्होंने बताया कि वो चुनाव प्रक्रिया का बहिष्कार कर रहे हैं। इसके बाद अब तमाम विपक्षी सदस्य नए पीएम के चुनाव के दौरान संसद में मौजूद हैं। बता दें कि इमरान की पार्टी पीटीआई के कई सदस्य अपना इस्तीफा दे चुके हैं, वहीं बाकी सदस्य भी इस्तीफा दे रहे हैं। खुद इमरान खान ने इसकी जानकारी दी। बता दें कि पाकिस्तानी संसद में नए प्रधानमंत्री के चुनाव के लिए मतदान होगा। विपक्ष ने संयुक्त तौर पर ऐलान किया है कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज के अध्यक्ष शहबाज शरीफ उनके प्रधानमंत्री उम्मीदवार होंगे।

गोरखपुर हमला मामले में कोर्ट ने आरोपी मुर्तजा की कस्टडी रिमांड बढ़ाई

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के गोरखपुर मंदिर में हुए हमला मामले में आरोपी मुर्तजा की कस्टडी रिमांड बढ़ गई है। गोरखपुर में हमले का आरोपी अहमद मुर्तजा अब्बासी आज एसीजेएम कोर्ट के सामने पेश हुआ। सुनवाई के बाद कोर्ट ने मुर्तजा की पुलिस कस्टडी रिमांड को १६ अप्रैल तक के लिए

बढ़ा दिया। दरअसल, आज मुर्तजा की कस्टडी रिमांड खत्म हो रही थी, जिसके मद्देनजर एटीएस ने कोर्ट से रिमांड बढ़ाने की मांग की थी। कस्टडी रिमांड में आरोपी मुर्तजा से और पूछताछ करेगी। दरअसल, यूपी एटीएस लगातार मुर्तजा और परिवार के लोगों से पूछताछ कर रही है। इस दौरान कई अहम सुराग मिले हैं। टेरर कनेक्शन के कई खुलासे भी हुए हैं। ११ अप्रैल को उसकी रिमांड खत्म हो रही थी। यूपी एटीएस ने मुर्तजा को लखनऊ से गोरखपुर लाकर सोमवार को कोर्ट के सामने पेश किय। कोर्ट ने १६ अप्रैल को दोपहर १२ बजे तक के लिए मुर्तजा की रिमांड बढ़ा दी। हालांकि, अब उससे एक बार फिर सवालों का सिलसिला शुरू होगा। इस दौरान कोर्ट में पेशी के बाद एटीएस की टीम मुर्तजा को लेकर गोरखपुर पुलिस लाइन चली गई।

को-आपरेटिव बैंक भर्ती घोटाले ने भाजपा सरकार की कलई खोली: गणेश गोदियाल

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि को-अपरोटिव बैंक में चतुर्थ श्रेणी के पदो पर हुई नियुक्ति में हुए घोटाले ने प्रदेश की भाजपा सरकार की कलई खुल गयी है।

आज यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने निवर्तमान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में सचिवालय के मुख्य द्वार पर उत्तराखण्ड राज्य में को-आपरेटिव बैंक के चतुर्थ श्रेणी पदों की नियुक्ति में हुए घोटाले की जांच की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन किया। गणेश गोदियाल ने उत्तराखण्ड की भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे होने का आरोप लगाते हुए कहा कि उत्तराखण्ड की भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार अपने चरम पर है। रोजगार के नाम पर युवाओं से उनके परिवार की खून-पसीने की कमाई डकारी जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य को-आपरेटिव बैंक में चतुर्थ श्रेणी के पदों की भर्ती में हुए भारी भ्रष्टाचार ने सरकार की कलई खोल कर रख दी है।

उन्होंने कहा कि इससे पूर्व भी को-आपरेटिव बैंक में रिक्त पदों पर हुई भर्ती में भारी भ्रष्टाचार को अंजाम देने की नीयत से चयन परीक्षा उत्तराखण्ड के किसी स्थान पर कराने की बजाय नोयडा में आयोजित कर स्थानीय बेरोजगार नौजवानों के हक को मारा गया। उन्होंने कहा कि पिछली भाजपा सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री ने स्वयं स्वीकार किया था कि सरकार में उगाही की खुली लूट मची हुई है जिस पर लगाम लगाने की जरूरत है। गोदियाल ने को-आपरेटिव बैंक में चतुर्थ श्रेणी पदों के चयन में हुए घोटाले की उच्च स्तरीय जांच की मांग करते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि पिछली सरकार में उच्च न्यायालय नैनीताल द्वारा अपने फैसले में भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते तत्कालीन मुख्यमंत्री के मामले में सीबीआई तथा पक्षकारों को अपना जवाब दाखिल करने के लिए दो दिन मे का वक्त दिया था। मुख्यमंत्री पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से भाजपा सरकार के जीरो टॉलिरेंस की कलई खुल चुकी थी और यह सिद्ध हो चुका था कि भाजपा सरकार भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई है तथा वरिष्ठ मंत्री द्वारा अपनी ही सरकार में हो रहे भ्रष्टाचार को खुले रूप में स्वीकारने की घटना से स्पष्ट हो गया था कि भाजपा सरकार में हर स्तर पर भारी लूट हो रही है। नव नियुक्त प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करण माहरा ने कहा कि भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलिरेंस का दावा करने वाली उत्तराखण्ड सरकार द्वारा हर स्तर पर भ्रष्टाचार को प्राश्रय दिया है। भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार और घोटालों की लम्बी फेहरिस्त है। कार्यक्रम में पूर्व विधायक मनोज रावत, मथुरादत्त जोशी, नवीन जोशी, गोदावरी थापली, पीके अग्रवाल, उपाध्यक्ष पूरण सिंह रावत, डॉ० आर.पी. रतूडी, गरिमा दसौनी, राजेश चमोली, गौरव चौधरी, अश्विनी बहुगुणा, मनोज़ नागपाल, सुशील राठी, पप्पू पोखरियाल, आशा मनोरमा डोबरियाल शर्मा, श्याम सिंह चौहान, राकेश नेगी, लक्ष्मी अग्रवाल, कै० बलवीर सिंह रावत, बसी जैदी, अमरजीत सिंह, मोहन काला, राजकुमार जायसवाल आदि अनेक कांग्रेसजन उपस्थित थे।

कार की चपेट में आकर एक व्यक्ति की मौत

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आकर एक व्यक्ति की मौत हो गयी। पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया लेकिन उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू कालोनी थाना पुलिस को सीसीआर द्वारा सूचना मिली कि रिस्पना पुल के पास एक गाडी ने एक व्यक्ति को टक्कर मार दी है। इस सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो आलवेज ड्राई वर्क शॉप निकट दूरदर्शन केन्द्र रिस्पना पुल नर्सरी के पास मौके 108 एम्बूलेन्स व एम्बूलेन्स मे एक व्यक्ति घायल अवस्था मे पडा था मौके पर इन्टरसेप्टर ट्रेफिक पुलिस निरीक्षक व जिस वाहन द्वारा टक्कर मारी गयी थी उसका चालक उदित नारायण मिश्रा पुत्र लक्ष्मी नारायण मिश्रा निवासी अजबपुर कलाँ दीपनगर व अन्य लोग भी मौजूद थे लोगो से पूछताछ की गयी तो बताया कि उक्त घायल व्यक्ति को बैलेनो कार के चालक द्वारा टक्कर मारी गयी है जिसकी स्थिती गम्भीर है वाहन बैलेनो कार व चालक मौके पर मौजूद थे। कार को पीछे कर रहा था उक्त व्यक्ति कार के नीचे आ गया था जिसको दून अस्पताल ले गये व जहाँ पर दौराने उपचार डाक्टर द्वारा उक्त व्यक्ति को मृत्यु घोषित किया गया।

कालोनी में आवारा पशुओं के जमावड़े से आक्रोशित हुए क्षेत्रवासी

विशेष संवाददाता

ऋषिकेश। हनुमंत पुरम, गंगानगर लेन-4 में आजकल आवारा पशुओं का जमावड़ा लगा हुआ है। हनुमंत पुरम विकास मंच के अध्यक्ष के के सचदेवा, कार्यवाहक महामंत्री जितेंद्र रावत व राजेंद्र भोला ने इस सम्बन्ध में नगर निगम को अवगत कराया है कि इस पर पाबंदी लगाई जाए और लोगों को सुरक्षित किया जाए।

हनुमंत पुरम विकास मंच के लोगों ने नगर निगम से पूरे गंगानगर जानवरों से मुक्त कराने का अनुरोध किया है मंच के लोगों ने नगर निगम को चेतावनी दी है यदि इस पर कार्यवाही नही की गयी तो हमें मजबूरन होकर नगर निगम के खिलाफ आंदोलन करना पड़ेगा। मंच के लोगों ने गंगानगर की पार्षद उमा बृजपाल राणा से भी अनुरोध किया है कि इस ओर विशेष ध्यान दिया जाये।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।